डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्योत्सव का दूसरा दिन

साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2018 अर्पण समारोह संपन्न

चार महत्तर सदस्य हुए चयनित

नई दिल्ली, 29 जनवरी 2019। साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित किए जा रहे **साहित्योत्सव** का आज दूसरा दिन था। आज का मुख्य आकर्षण साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2018 के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाना था। यह पुरस्कार अर्पण समारोह कमानी सभागार में आयोजित किया गया। प्रख्यात ओड़िया लेखक और साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य मनोज दास समारोह के मुख्य अतिथि थे तथा प्रख्यात श्रीलंकाई लेखक और साहित्य अकादेमी के प्रेमचंद फ़ेलोशिप से सम्मानित सांतन अय्यातुरै समारोह के विशिष्ट अतिथि। ये पुरस्कार साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार द्वारा प्रदान किए गए।

पुरस्कृत लेखक थे सनन्त तांति, (असमिया). संजीव चट्टोपाध्याय (बाङ्ला), रितुराज बसुमतारी (बोडो), इन्दरजीत केसर (डोगरी), शरीफ़ा विजलीवाला (गुजराती). चित्रा मुद्गल (हिंदी), के.जी. नागराजप्प (कन्नड), मुश्ताक़ अहमद मुश्ताक़ (कश्मीरी), परेश नरेंद्र कामत (कोंकणी), वीणा ठाकुर (मैथिली), एम. रमेशन नायर (मलयाळम्), बुधिचंद्र हैस्नांबा (मणिपुरी), मधुकर सुदाम पाटील (मराठी), लोकनाथ उपाध्याय चापागाईं (नेपाली), मोहनजीत सिंह (पंजाबी), राजेश कुमार व्यास (राजस्थानी), रमाकांत शुक्ल (संस्कृत), श्याम बेसरा (संताली), खीमन यू. मूलाणी (सिंधी), एस. रामकृष्नन (तमिऴ), कोलकलूरि इनाक्(तेलुगु) एवं रहमान अब्बास (उर्दू)। आज के समारोह में अंग्रेज़ी एवं ओड़िया के पुरस्कृत लेखकों को छोड़कर सभी रचनाकारों को साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान में ताम्रफलक और एक लाख रुपये की राशि का चेक भेंट किया गया। अंग्रेज़ी एवं ओड़िया के लेखक अस्वस्थ्यता के कारण समारोह में उपस्थित नहीं हो सके।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में साहित्य के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने कहा कि साहित्य अकादेमी पुरस्कारों ने जो प्रतिष्ठा प्राप्त की है वो हमारी परंपराओं के प्रति वो निष्ठा है जो हमने वर्षों के परिश्रम से हासिल की है। भारत की सांस्कृतिक विविधता ही वह प्रेरक तत्त्व है जो हमें एक दूसरे के प्रति संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करती है। भूमंडलीकरण के इस समय में भी हमारी भाषाई विविधता को बचाए रखने के लिए साहित्य की आवश्यकता और उसका सम्मान किया जाना जरूरी है। साहित्य अकादेमी ने इस विविधिता का सम्मान अनुवाद के जरिए भी किया हैं। साहित्य अकादेमी बेहतर अनुवादों के लिए भी जानी जाती है। हमारी पहचान अपनी जड़ों में जुड़े रहने में ही है और मैं भी इसी पहचान का सम्मान करता हूँ।

... 2/–

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

पुरस्कार अर्पण समारोह के मुख्य अतिथि मनोज दास ने कहा कि साहित्य अकादेमी हमारा गौरव है। अकादेमी पुरस्कार कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक का सम्मान है और यह हमारी पूरी सांस्कृतिक परंपरा का सम्मान है जो रामायण, महाभारत, पंचतंत्र से लेकर, राजतरंगिणी और कालिदास तक की विरासत की वाहक है। विशिष्ट अतिथि संतन अय्यातुरै ने कहा कि श्रीलंका का साहित्य भारतीय साहित्य परंपरा से प्रभाव और प्रेरणा ग्रहण करता है तथा इस समारोह में उपस्थित होना मेरे लिए गौरव की बात है। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि पुरस्कृत सभी लेखकों की यह महत्त्वपूर्ण विशिष्टता है कि वे अपनी रचनाओं के माध्यम से आम जनता की आवाज को मुखर करते हैं। कार्यक्रम के आरंभ में औपचारिक स्वागत करते हुए अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने अकादेमी की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए भारतीय साहित्य की व्यापकता और विविधता को रेखांकित किया। उन्होंने पुरस्कृत लेखकों की प्रशस्ति का पाठ भी किया।

समारोह के बाद पद्म विभूषण से अलंकृत प्रख्यात नृत्यांगना व विदुषी सोनल मानसिंह द्वारा *नाट्य कथा : कृष्णा* का मंचन किया गया।

आज साहित्य अकादेमी की सामान्य परिषद् की 90वीं बैठक में चार सदस्यों को सर्वसम्मति से साहित्य अकादेमी का महत्तर सदस्य चुना गया। यह महत्तर सदस्य हैं – ओड़िया एवं अंग्रेज़ी लेखक जयंत महापात्र, डोगरी एवं हिंदी लेखिका पद्मा सचदेव, हिंदी लेखक तथा साहित्य अकादेमी के पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद तिवारी एवं प्रख्यात असमिया लेखक नगेन सैकिया।

के. श्रीनिवासराव

(के. श्रीनिवासराव)